

एचडीएफसी बैंक से बाहर निकलीं क्वांट की कुछ योजनाएं

क्वांट म्युचुअल फंड की कुछ योजनाओं ने निजी क्षेत्र के देश के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक से संभवतः अपना सारा निवेश निकाल लिया है जबकि कुछ ही महीने पहले उन्होंने इस बैंक में बड़ा निवेश किया था। जून के आखिर में उसकी ज्यादातर योजनाओं के दो अग्रणी निवेश में यह शेयर शामिल रहा लेकिन अब उसकी 10 शीप योजनाओं में से किसी में भी इसका जिक्र नहीं है।

क्वांट फंड हाल के वर्षों में इक्विटी योजनाओं के प्रदर्शन के चार्ट में अपना वर्चस्व स्थापित करने में कामयाब रहा है और उसके ज्यादा भारीसे वाले दौब अच्छा कर रहे हैं।

साल 2022 में उसकी योजनाओं ने अदाणी के शेयरों में तेजी की की सवारी की। 2023 की शुरुआत में अदाणी शेयरों पर हिंडनबर्ग के हमले के बाद फंड ने अपना आवंटन रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइनेंशियल में कर दिया। यह निवेश पिछले एक साल में उसकी योजनाओं के प्रदर्शन को आगे ले जाने में अहम साबित हुआ है।

हालांकि फंड हाउस का प्रदर्शन हाल के महीनों में अच्छा नहीं रहा है। प्रदर्शन में सुस्ती संयोग से फंड हाउस में फ्रंट रनिंग की संभावनाओं की नियामकीय जांच शुरू होने के साथ देखने को मिली है।

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी कंपनी एचडीएफसी बैंक का लांजकैप, बैंकिंग और वित्तीय सेवा सूचकांकों में सबसे ज्यादा भार है। परिणामस्वरूप ज्यादातर विशालकृत एक्विटिव इक्विटी योजनाओं का इस शेयर में खासा निवेश है। इस साल मई से जुलाई की अवधि तो छोड़ दें तो क्वांट उन कुछ फंड हाउस में शामिल है जिनका हाल के वर्षों में एचडीएफसी बैंक में शून्य से लेकर



■ साल 2022 में उसकी योजनाओं ने अदाणी के शेयरों में तेजी की सवारी की

■ 2023 की शुरुआत में अदाणी शेयरों पर हिंडनबर्ग के हमले के बाद फंड ने अपना आवंटन रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइ. में कर दिया

कम आवंटन रहा है।

मूल्यांकन के लिहाज से आकर्षक होने के बावजूद एच-डीएफसी बैंक हाल के वर्षों में शेयरधारकों को रिटर्न देने में नाकाम रहा है। लंबे समय तक इसका कमजोर प्रदर्शन जुलाई के आखिर तक इस उम्मीद में खत्म होने के आसार थे कि एमएससीआई इंडेक्स में उसके भार में बढ़ोतरी से वैश्विक पैसिव फंडों की मजबूत खरीदारी होगी। हालांकि एमएससीआई की तरफ से भार में चरणों में बढ़ोतरी का फैसला इसके लिए ठीक साबित नहीं हुआ।

अभिषेक कुमार

इक्विटी फंडों की परिसंपत्तियों में बढ़ोतरी का असर

वितरकों के कमीशन में उछाल

अभिषेक कुमार मुंबई, 4 सितंबर

म्युचुअल फंडों में निवेश के तहत बिना कमीशन वाले डायरेक्ट प्लानों के रफ्तार पकड़ने के बावजूद वितरण का कारोबार वृद्धि की अपनी राह जारी रखे हुए है। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 2,500 बड़े म्युचुअल फंड वितरकों ने बतौर कमीशन 14,850 करोड़ रुपये हासिल किए और ज्यादातर बड़े वितरकों ने अपनी आय में तेज बढ़ोतरी दर्ज की।

वित्त वर्ष 2023 में एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया ने अग्रणी 1,781 वितरकों की कमीशन आय 12,071 करोड़ रुपये रहने का अनुमान बताया था। वित्त वर्ष 2022 में 1,544 वितरकों ने 10,420 करोड़ रुपये कमाए थे। अग्रणी फंड वितरकों के मुताबिक आय में बढ़ोतरी इक्विटी म्युचुअल फंड योजनाओं में निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी का नतीजा है।

आनंद राठी वेल्थ के डिप्टी सीईओ फिरोज अजीज ने कहा कि मजबूत आर्थिक पृष्ठभूमि ने ज्यादा निवेशकों को इक्विटी बाजार में आकर्षित किया है और कई निवेशक फंड वितरकों के जरिये बाजार तक पहुंचने का



बिजनेस स्टैंडर्ड

विकल्प चुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कमीशन में बढ़ोतरी भारतीय परिवारों की निवेश प्राथमिकता में बदलाव को दर्शाती है और धीरे-धीरे यह डेट से इक्विटी की ओर जा रहा है। मार्च 2024 तक इक्विटी आवंटन 11 फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी पर पहुंच गया वहीं डेट या जमा आवंटन 34.9 फीसदी से 33.5 फीसदी रह गया।

वितरकों को कमीशन योजनाओं में उनके क्लाइंटों की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों पर दिया जाता है। ऐसे में भुगतान में बढ़ोतरी अंतर्निहित परिसंपत्तियों की कीमतों में बढ़ोतरी और वितरकों की तरफ से लाए गए निवेश दोनों के बारे में बताती है। वित्त वर्ष 24 के दौरान इक्विटी

बाजार में काफी तेजी आई और बेंचमार्क निफ्टी-50 इंडेक्स करीब 29 फीसदी चढ़ा। उद्योग निकाय एम्पी चुनिंदा वितरकों की वितरण आय के आंकड़े जारी करता है और ये प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों की सीमा, शाखाओं की संख्या और अर्जित कमीशन पर आधारित होते हैं। मार्च 2024 के आखिर में उद्योग में 2.67 लाख वितरक थे, जिसमें व्यक्तिगत वितरक, बैंक, वितरण फर्म और उनके कर्मचारी शामिल हैं। व्यक्तिगत वितरण सेगमेंट ने पिछले एक साल में तेज वृद्धि दर्ज की है जो उद्योग में नई प्रतिभाओं के आने का संकेत है। उनकी संख्या मार्च 2024 में 1,56,698 हो गई जो एक साल पहले 1,35,104 रही थी।

पिछले वित्त वर्ष में करीब 2,500 म्युचुअल फंड वितरकों को 14,850 करोड़ रुपये का कमीशन मिला

जुलाई के आखिर में म्युचुअल फंड वितरकों की व्यक्तिगत निवेशकों की कुल एयूएम में 78 फीसदी हिस्सेदारी थी। उनका एयूएम 31.6 लाख करोड़ रुपये था जबकि डायरेक्ट प्लान के तहत निवेश चैनल में 9 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां थीं। हालांकि कुल एयूएम में रेग्युलर प्लान की हिस्सेदारी 58 फीसदी रही क्योंकि ज्यादातर संस्थान फंडों में सीधे निवेश करते हैं।

म्युचुअल फंडों की तरफ से वितरकों को दिया जाने वाला कमीशन डायरेक्ट और रेग्युलर प्लान के खर्च अनुपात का अंतर होता है। पैसिव और डेट फंडों के मुकाबले इक्विटी योजनाओं में भुगतान काफी ज्यादा होता है।

एनजे इंडिया इन्वेस्ट के लिए देश भर के 40,000 से ज्यादा वितरक राजस्व साझा करने के आधार पर काम करते हैं। वह सकल रूप से अग्रणी रही है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 में 1,882 करोड़ रुपये कमाए जबकि इससे पिछले साल उसकी कमाई 1,539 करोड़ रुपये थी। उसकी औसत एयूएम 1.6 लाख करोड़ रुपये रहा है। एयूएम के लिहाज से सबसे बड़े वितरक भारतीय स्टेट बैंक ने 1,039 करोड़ रुपये अर्जित किए। पांच अग्रणी नामों में एच-डीएफसी बैंक, प्रूडेंट कॉर्पोरेट एडवाइजरी और ऐक्सिस बैंक शामिल हैं।

जीआईसी को 2,300 करोड़ रु. की बोलियां

बीएस संवाददाता मुंबई, 4 सितंबर

जनरल इश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी आई) की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को बुधवार को पहले दिन करीब 2,300 करोड़ रुपये मूल्य की बोलियां मिलीं। ओएफएस को संस्थान निवेशकों से 5.8 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन मिले, जबकि 11.9 करोड़ शेयरों की पेशकश की गई थी। स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर बोलियां 395 रुपये की कीमत पर आईं। अन्य 1.19 करोड़ शेयर रिटेल निवेशकों के लिए आर क्षित हैं जिनकी बिक्री गुरुवार को होगी। जीआईसी आई का शेयर सेंकेंडरी बाजार के कारोबार में 5.6 प्रतिशत गिरकर 398 रुपये पर बंद हुआ।

ओएफएस के जरिये सरकार 6.78 प्रतिशत हिस्सेदारी घटा रही है। हालांकि, उसे 3.4 प्रतिशत से कम विनिवेश पर ही सन्न करना पड़ेगा। केंद्र को 25 प्रतिशत न्यूनतम सार्वजनिक श्रेयधारिता की शर्त पूरी करने के लिए भविष्य में अपनी अन्य 7.4 प्रतिशत हिस्सेदारी घटानी होगी।

जून 2024 को समाप्त तिमाही तक, इस बीमा कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 85.78 प्रतिशत थी। देश की सबसे बड़ी पुनर्बीमा कंपनी जीआईसी आई का शेयर पिछले एक साल में 75 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। कंपनी की वैल्यू इस समय 69,825 करोड़ रुपये है।

जीआईसी आई विनिवेश से प्राप्त रकम का इस्तेमाल विविध कैपिटल रिसीट अकाउंट में करेगी। केंद्र चालू वित्त वर्ष के दौरान इस विकल्प के जरिये 50,000 करोड़ रुपये जुटाने

की योजना बना रहा है। दीपम की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार जीआईसी की शेयर बिक्री से पहले कुल प्रतियां 815 करोड़ रुपये थीं।

इकोस मोबिलिटी 17 प्रतिशत से अधिक पर सूचीबद्ध हुआ

ड्राइवर-चालित परिवहन समाधान प्रदाता इकोस (इंडिया) मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड (ईसी-ओएस) का शेयर निर्गम मूल्य 334 रुपये से 17 प्रतिशत से अधिक उछाल के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 17.15 प्रतिशत उछाल के साथ 391.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 36.52 प्रतिशत बढ़कर 456 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर ने 16.76 प्रतिशत की उछाल के साथ 390 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,540.70 करोड़ रुपये रहा। इकोस (इंडिया) मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के निर्गम को बोली के अंतिम दिन गत शुक्रवार को 64.18 गुना आवेदन मिले थे। भाषा

क्रॉस लिमिटेड ने तय किया कीमत दायरा

वाहन कल्पना विनिर्माता क्रॉस लिमिटेड के 500 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 228-240 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि आईपीओ 9 सितंबर को खुलकर 11 सितंबर को बंद होगा जबकि एंकर निवेशक छह सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। भाषा

ऐपल की आपूर्तिकर्ता लायम का आईपीओ

शाइन जैकब चेन्नई, 4 सितंबर

भारत में ऐपल द्वारा 600,000 से ज्यादा लोगों को भर्ती करने की योजना की चर्चा के बीच फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाटॉन जैसे एलए निर्माता भागीदारों को कुशल मानव श्रम की प्रमुख आपूर्तिकर्ता लायम ग्रुप अपनी विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अगले वित्त वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है।

चेन्नई की इस कंपनी ने तमिलनाडु में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र के निवेश में तेजी को ध्यान में रखते हुए अगले दो साल में अपने राजस्व में 40 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। ऐपल अपने वैश्विक आईफोन उत्पादन में भारत की भागीदारी अगले तीन-चार साल में बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की योजना बना रही है।

लायम ग्रुप के चेयरमैन जी रमेश ने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारा राजस्व अगले दो साल में 350 करोड़ रुपये से बढ़कर 500 करोड़ रुपये हो जाएगा। हमारी योजना 2025-26 में आईपीओ लाने की है।' कंपनी की मौजूदगी कई क्षेत्रों में है, जिनमें मानव संसाधन समाधान, नियुक्ति, स्टाफिंग, अनुबंध विनिर्माण, प्रशिक्षण और व्यवस्था परामर्श शामिल हैं।

रमेश ने कहा, 'इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में अगले कुछ वर्षों में भारत में लाखों नौकरियां पैदा होने की संभावना है क्योंकि कई वैश्विक कंपनियां देश में निवेश के अवसर तलाश रही हैं।



कंपनी का राजस्व अगले दो साल में 350 करोड़ रुपये से बढ़कर 500 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान

इसके अलावा, यह क्षेत्र महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा कर रहा है।

कंपनी ने देश भर में अब तक 20,000 से ज्यादा महिला ब्लू-कोलर कर्मचारियों की भर्ती की है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु में इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में इस तरह के बहुत सारे निवेश देखने को मिल रहे हैं और लायम खुद भी विनिर्माण क्षेत्र में उतरने की योजना बना रही है।

इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में राज्य भारत में नंबर एक निर्यातक है, जिसका निर्यात वित्त वर्ष 24 में 9.56 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2023 के 5.37 अरब डॉलर से 78 प्रतिशत अधिक है और कर्नाटक और उत्तर प्रदेश से बहुत आगे है। ऐपल ईक. जल्द ही भारत में अपना चौथा आईफोन असेंबली प्लांट स्थापित करने जा रही है जिसका निर्माण उसकी प्रमुख आपूर्तिकर्ता कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स कर रही है और नवंबर में इसमें उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

कमजोर वैश्विक रुख से सेंसेक्स 200 अंक टूटा

शेयर बाजारों में बुधवार को गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 202 अंक से अधिक टूट गया। एनएसई निफ्टी 81 अंक टूटा और इस तरह से इसमें 14 दिन से जारी तेजी पर विराम लग गया। अमेरिका में नरमी की आशंका को लेकर वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच सूचन प्रौद्योगिकी, बैंक और धातु शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार में गिरावट रही।

सेंसेक्स 202.80 अंक यानी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 82,352.64 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 81.15 अंक यानी 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ 25,198.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 721.75 अंक तक लुढ़क गया था।

निफ्टी 81.15 अंक यानी 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ 25,198.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 196.05 अंक टूट गया था। इससे पहले लगातार 14 दिन की तेजी में निफ्टी 1,141 अंक यानी 4.59 फीसदी चढ़ा था। जियोजिट, फाइनेंशियल सर्विसेस के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में विनिर्माण के कमजोर आंकड़ों से वहां की अर्थव्यवस्था में चिंता बढ़ी है। इसका असर घरेलू

बाजार पर भी पड़ा है। घरेलू स्तर पर ठोस संकेतकों के अभाव में बाजार पर वैश्विक रुख का असर देखने को मिलेगा।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, ऐक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा एंड टूटो, टाटा स्टील, लार्स कंस्ट्रक्सी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और अदाणी पोर्ट्स में प्रमुख रूप गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेट्रॉस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कारोबार के दौरान एक समय यह 721.75 अंक तक लुढ़क गया था।

निफ्टी 81.15 अंक यानी 0.32 फीसदी की गिरावट के साथ 25,198.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 196.05 अंक टूट गया था। इससे पहले लगातार 14 दिन की तेजी में निफ्टी 1,141 अंक यानी 4.59 फीसदी चढ़ा था। जियोजिट, फाइनेंशियल सर्विसेस के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिका में विनिर्माण के कमजोर आंकड़ों से वहां की अर्थव्यवस्था में चिंता बढ़ी है। इसका असर घरेलू

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA
INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF THE STOCK EXCHANGES IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL DISCLOSURES REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED.
THIS ADVERTISEMET IS MADE FOR RESUBMISSION OF DRAFT OFFER DOCUMENT PURSUANT TO SEBI CIRCULAR SEBI/HO/CFD/PoD-1/P/CI/R/2024/009 DATED FEBRUARY 06, 2024.



(Please scan this QR Code to view the DRHP)



BMW VENTURES LIMITED

Our Company was originally incorporated as "BMW Ventures Limited" at Patna, Bihar on October 07, 1994, as a Public Limited Company under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Bihar, Patna, bearing Corporate Identification Number U25111BR1994PLC006131 and Certificate of Commencement of Business was issued on October 19, 1994 at Patna.

Registered and Corporate Office: 1st Floor, Mona Cinema Complex, East Gandhi Maidan, Patna-800004;
Tel. No.: +91 81022 23771/74 **E-mail:** cs@bmwventures.com; **Website:** www.bmwventures.com;
Contact Person: Ruchika Maheshwari Kejriwal, Company Secretary and Compliance Officer **Corporate Identity Number:** U25111BR1994PLC006131

PROMOTERS OF THE COMPANY: MR. BIJAY KUMAR KISHOREPURIA, MRS. SABITA DEVI KISHOREPURIA, MR. NITIN KISHOREPURIA, MRS. RACHNA KISHOREPURIA, BMW FIN-INVEST PRIVATE LIMITED AND RIDHISIDHI FINCON PRIVATE LIMITED

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 2,34,18,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF OUR COMPANY FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [•] LAKHS (THE "ISSUE"). THE ISSUE WOULD CONSTITUTE 27.00% OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

In case of any revision to the Price Band, the Bid/Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after such revision in the Price Band, subject to the Bid/Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company and the promoter Selling Shareholder may, in consultation with the BRLM, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid / Offer Period for a minimum of three Working Days, subject to the Bid/ Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Bid/Offer Period, if applicable, will be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges, by issuing a public notice, and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the Syndicate Member(s) and by intimation to the Designated Intermediaries and the Sponsor Banks, as applicable.

This is an Offer in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR"), read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer is being made through the Book Building Process in terms of Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations, wherein not more than 50% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs and such portion, the "QIB Portion"), provided that our Company and the Promoter Selling Shareholder, in consultation with the BRLM, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis ("Anchor Investor Portion"), out of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds only, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the price at which allocation is made to Anchor Investors ("Anchor Investor Allocation Price"), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) ("Net QIB Portion"). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Offer shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders of which one-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹2 lakhs and up to ₹10 lakhs and two-third portion shall be available for allocation to Non-Institutional Bidders with a Bid size of more than ₹10 lakhs, provided that unsubscribed portion in either of such sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations and not less than 35% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received from them at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are mandatorily required to utilize the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process by providing details of their respective ASBA accounts and UPI ID in case of UPI. Bidders using the UPI Mechanism, as applicable, pursuant to which their corresponding Bid Amount will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks ("SCSBs") or by the Sponsor Banks under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of the respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA Process. For further details, see "Issue Procedure" on page 335.



This public announcement is being made in compliance with the provisions of regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated September 04, 2024 with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") on September 04, 2024. Further, This Draft Offer Document is resubmitted to SEBI for its observations pursuant to SEBI Circular SEBI/HO/CFD/PoD-1/P/CI/R/2024/009 dated February 06, 2024. The Initial Draft Offer Document was filed on June 28, 2024 which was returned by SEBI vide its letter dated July 23, 2024.

Pursuant to Regulation 26(1) of SEBI ICDR Regulations, the DRHP filed with SEBI shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 (twenty one) days from the date of such filing, by hosting it on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, the BRLM at www.sarthi.in, our Company at www.bmwventures.com, and the Stock Exchanges where the Equity Shares are proposed to be listed, i.e. BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com. Our Company hereby invites the public to give their comments on the DRHP filed with SEBI in respect of disclosures made in the DRHP. The public is requested to send a copy of the comments sent to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned herein. All comments must be received by our Company or the BRLM in relation to the Issue on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the DRHP with SEBI.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of this Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to "Risk Factors" on page 33.

Any decision to invest in the equity shares described in the DRHP may be made after a Red Herring Prospectus ("RHP") has been registered with the RoC and must be made solely on the basis of such RHP as there may be material changes in the RHP from the DRHP. The Equity shares, when offered through the RHP, are proposed to be listed on Stock Exchanges.

The liability of the members of our Company is limited by shares. For details of the main objects of our Company as contained in the Memorandum of Association, please see "History and Certain Corporate Matters" beginning on page 201 of the DRHP. For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories of the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them, please see "Capital Structure" beginning on page 96 of the DRHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER	REGISTRAR TO THE ISSUE
 <p>Sarthi Capital Advisors Private Limited CIN: U65190DL2012PTC238100 401, 4th Floor, Manek Plaza, 167, Vidyanagari Marg, Kalina, Santacruz (E), Mumbai – 400 098 Tel No.: +91 22 2652 8671/ 72 Email Id: capitaladvisors@sarthiwm.in Website: www.sarthi.in Contact Person: Mr. Deepak Sharma SEBI Registration No.: INM000012011</p>	 <p>Cameo Corporate Services Limited CIN: U67120TN1998PLC041613 Subramanian Building, 1, Club House Road, Chennai-600002 Tel No.: +91 44 4002 0700 E-Mail Id: bnm@cameoindia.com Investor Grievance E-Mail Id: investor@cameoindia.com Website: www.cameoindia.com Contact Person: K. Sreepriya SEBI Registration No.: INR0000033753</p>
All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the DRHP.	
<p>For BMW Ventures Limited On behalf of Board of Directors Sd/- Ruchika Maheshwari Kejriwal Company Secretary and Compliance Officer</p> <p>BMW Ventures Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated September 04, 2024 with SEBI on September 04, 2024. The DRHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com, BSE at www.bseindia.com and the website of the BRLM at www.sarthi.in and our Company at www.bmwventures.com. Any potential investor should note that the investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to risk, please see to the section titled "Risk Factors" of the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decisions. Specific attention of the Investors is invited to "Risk Factors" beginning on page 33 of the DRHP.</p> <p>The Equity Shares offered have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933, as amended ("U.S. Securities Act") or any other applicable laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions as defined in and in reliance on regulation S under the U.S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be issued or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.</p>	
Surgeon Comm.	